[This question paper contains 4 printed pages.]

(1)

Your Roll No. 2017

Sr. No. of Question Paper : 3653 **HC**

Unique Paper Code : 62057502

Name of the Paper : Hindi Bhasha ka Vyavharik Vyakaran
हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

Name of the Course : **B.A. (Programme) Hindi Discipline CBCS DSE I**

Semester : V

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. व्याकरण की परिभाषा देते हुए भाषा के संदर्भ में उसके महत्व का आकलन कीजिए। (12)

अथवा

'भाषा सम्प्रेषण का माध्यम है' - इस कथन के संदर्भ में भाषा विशेषताएँ लिखिए।

2. शब्द की व्याकरणिक कोटि के रूप में संज्ञा की परिभाषा एवं उसके भेद लिखिए। (12)

P.T.O.

अथवा

शब्द-निर्माण की प्रक्रिया में उपसर्ग एवं प्रत्यय की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

3. वाक्य की परिभाषा देते हुए उसके विभिन्न अंगों का वर्णन कीजिए। (12)

अथवा

वाक्यगत अशुद्धियों के कारणों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

4. अपठित गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

अगर बच्चे को पढ़ने की आदत डाल दी जाए, तो यह एक ऐसा कार्य है जिसके लिए वह आजीवन आभारी रहेगा। पुस्तकें बच्चों की दैनिक जिंदगी का हिस्सा बनें। उन्हें यह आभास नहीं होने देना चाहिए कि पढ़ना कोई गृहकार्य या स्कूल से दिया गया पाठ है। बल इस बात पर देने की आवश्यकता है कि उसे मनोरंजक और रुचिकर लगे। बच्चा यह महसूस करे कि इसके कारण उसका समय अच्छी तरह बीत रहा है। पुस्तकें उसकी मित्र बन जाएँ, और वस्तुत: यह कोई मुश्किल काम नहीं।

(क) अनुच्छेद में से **तीन** उर्दू शब्द छाँटकर लिखिए। (3)

(ख) नीचे दिए गए शब्दों में से किन्हीं **तीन** के वचन बदलिए : (3)

पुस्तकें, आदत, बच्चा, स्कूल, यह

(ग) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। (2)

(घ) इस गद्यांश का सारांश लिखिए। (4)

5. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** शब्दों से प्रत्यय और मूल शब्द अलग-अलग कीजिए :

मिलावट, देवरानी, सामाजिक, सूदख़ोर, पुलकित। (3)

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए :

महात्मा, प्रधान, प्रसन्न, कर्मठता, पराजय। (3)

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** शब्दों के शुद्ध-रूप लिखिए :

राशी, अविश्कार, ग्रहस्थी, रीतीकाल, श्रंगार (3)

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **तीन** वाक्यों के शुद्ध-रूप लिखिए :

(i) यह किसका पुस्तक है।

(ii) अनेकों लोगों ने मुझसे यह बात कही।

(iii) यहाँ ताज़ा गाय का दूध मिलता है।

(iv) आप थोड़ी देर यहाँ रुको।

(v) सब नदी समुद्र में मिलती है। (3)

(ङ) निम्नलिखित मुहावरे-लोकोक्तियों में से किन्हीं **तीन** के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :

(i) उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे

(ii) चल बसना

(iii) ईद का चाँद होना

(iv) घर का भेदी लंका ढाए

(v) ईंट का जवाब पत्थर से देना (3)

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए :

(क) ध्वनि के भेद

(ख) स्रोत के आधार पर शब्द के भेद

(ग) संधि और समास में अंतर

(घ) उपसर्ग और प्रत्यय में अंतर (6,6)

(2) 15/12/17

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : 3706 **HC**

Unique Paper Code : 62057502

Name of the Course : **B.A.(Programme) Hindi-CBCS-DSE-II**

Name of the Paper : Hindi Bhasha Ka Vyavahrik Vyakaran

Semester : V

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

निर्देश : इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. भाषा की परिभाषा लिखते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

भाषा और व्याकरण क अंतः संबंधों का विश्लेषण कीजिए।

2. शब्द की व्याकरणिक कोटि के रूप में विशेषण के भेदों पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

शब्द किसे कहते हैं ? स्रोत के आधार पर शब्द के विविध भेदों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

P.T.O.

3. वाक्य की परिभाषा देते हुए संयुक्त और मिश्रित वाक्यों का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 12

अथवा

भाषा के संदर्भ मे वाक्य के महत्व को स्पष्ट करते हुए वाक्यगत अशुद्धियों के कारण लिखिए।

4. अपठित गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मध्यकालीन भक्तों ने अपने साहित्य में ईश्वर के दो रूपों की प्रतिष्ठा की है। एक वह जो सर्वोच्च, सर्व-शक्तिमान, जन्ममरणहीन, सर्वव्यापी ब्रह्म है, जो समस्त ब्रह्मांड का स्रष्टा तथा सबका भरण-पोषण भी करता है। उसका कोई शत्रु नहीं और न ही कोई मित्र है। दूसरा रूप अवतारों की परंपरा का है, जो असुर संहारक, संतों और भक्तों के उद्धारक, असत्य का विनाश तथा सत्य की प्रतिष्ठा करने वाला है। पहले प्रकार का ईश्वर हमारी विशुद्ध भक्ति प्रेरणा का निरपेक्ष परिणाम है, जब कि दूसरे प्रकार के ईश्वर को संभवतः सामाजिक परिस्थितियों के कारण अस्तित्व में आना पड़ता है।

(क) नीचे दिये शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों के अर्थ लिखिए : 3

सर्वव्यापी, संहारक, विशुद्ध, प्रतिष्ठा, उद्धारक

(ख) नीचे दिये शब्दों में से किन्हीं **तीन** के वचन बदलिए : 3

भक्तों, उद्धारक, मित्र, रूपों, परिस्थितियाँ

(ग) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 2

(घ) प्रस्तुत गद्यांश का सारांश लिखिए। 4

5. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** शब्दों से प्रत्यय और मूल शब्द अलग-अलग कीजिए : 3

शक्तिशाली, जेठानी, पागलपन, कड़वाहट, कीमती

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** शब्दों की संधि कीजिए : 3

नव+आगत, सु+अल्प, अति+अधिक, नौ+इक, अहम्+कार।

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** शब्दों के शुद्ध-रूप लिखिए- 3

व्यवसायिक, आशीर्वचन, प्रशनवाचक, लड़कीयाँ, प्रनाम।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **तीन** वाक्यों के शुद्ध-रूप लिखिए : 3

(i) एक पानी का गिलास लाओ।

(ii) मैंने अनेकों बार समझाया, किन्तु फिर भी उसकी समझ में नहीं आया।

(iii) मेरा भाई अफसर लगा हुआ है।

(iv) उन्हें दो रन मिल गया।

(v) जल्दी से कमीज़ डाल लो।

(ङ) निम्नलिखित मुहावरे-लोकोक्तियों में से किन्हीं **तीन** के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए : 3

(i) एक तो चोरी दूसरे सीना जोरी,

(ii) खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे,

(iii) तिल का ताड़ बनाना,

(iv) कान पर जूँ न रेंगना,

(v) अक्ल का दुश्मन होना।

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए : 6,6

(क) स्वर और व्यंजन,

(ख) संज्ञा,

(ग) बहुब्रीहि समास,

(घ) वाक्य के अंग

[This question paper contains 4 printed pages.]

(3)

15/12/17

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3707 **HC**

Unique Paper Code : 62057501

Name of the Paper : Hindi Ki Maukhik Aur Lok Sahitay Prampra

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi Discipline CBCS – DSE–2**

Semester : V

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

DESBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : (7+7)

(क) एकु राजा रहे। वो कहानी सुनै का बड़ा सौखीन रहे। वो राजा राज माँ डुग्गी पिटवाय दीन्हेंसि कि जो कोऊ हमका... एतनी बड़ी कहानी सुनाई कि हम सुनत-सुनत हारि जाब तौ हम वोहका आधा राज दइ द्याव....। लेकिन जो सुनावे वाला हमका हारी न मनवाए पाई तो वोह क्यार... मूंड काटी लीन जाई।

P.T.O.

अथवा

इन्द्र कै बात सुनिकै भगवान का संतोषु भा औ तब उइ जमराज ते बोले- महराज! यो तुम्हई गड़बड़घोटाला कीन हउ। अब तुम्ही येहका पव्यारौ। किरपा करिकै ई पापिन का फिर ते धरती माँ छांड़ी आवय काहे ते पाप गंगा के नहाए ते नहीं, अच्छे करमन ते खतम ह्वात है। अब किरपा करिकै अइस भूल न कीन्हेव।

(ख) होली बी खेलै ढपबी बजा कै गलियाँ मैं उडए गुलाल।
कहियो सुरैटण सै होली खैलण आवै नवाब।।
हंसलो घड़ावै फिरंगी को लड़को कठलो घड़ावै नवाब
कहियो मुरैटण तै होली खेलण आवै नवाब।।

अथवा

सींका की बीनी डेलरिया हो, सीला बीने जाँव
सासू की बीनी डेलरिया हो
यहि रे डेलरिया माँ भरि ले चंदनिया। सीला
यहि रे डेलरिया माँ सूरुज किरचिया। सीला
सीला के बिन चुन भरूं रे बखरिया,
सईयाँ की बनी मैं दुलरिया।

2. मौखिक और लिखित साहित्य से आप क्या समझते हैं ? दोनों में अंतर स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

भारतीय समाज में प्रचलित लोकगाथाओं का उल्लेख करते हुए उनपर प्रकाश डालिए।

3. संस्कार गीत के प्रमुख रूपों का वर्णन कीजिए। (12)

अथवा

कटनी, जंतसर, दंवनी एवं रोपनी किस प्रकार के गीत हैं ? इनका सामान्य परिचय दीजिए।

4. 'लोककथा' किसे कहते है ? प्रसिद्ध लोककथाओं का उल्लेख कीजिए। (12)

अथवा

'अवधी' मे लिखित लोककथा की समीक्षा कीजिए।

5. 'लोकनाट्य' के विविध रूपों एवं शैलियों पर परिचयात्मक निबंध लिखिए। (12)

अथवा

राजस्थान का 'ख्याल' एवं उत्तर प्रदेश की 'नौटंकी' विधा की विवेचना कीजिए।

6. निम्नलिखित में से **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (7+6) (7

(क) जनपदीय बोलियाँ;

(ख) बिदेसिया;

(ग) सोहर गीत;

(घ) रामलीला;

(ङ) पहेलियाँ – बुझौवल।